चम्पारण में महात्मा गाँधी के द्वारा किए गए रचनात्मक कार्यक्रम, शिक्षा से संबंधित

विकाश कुमार

चम्पारण एग्रेरियन इन्कवायरी आने के बाद यह माना जा सकता है कि गॉधी ने चम्पारण के रैयतो को शोषण से मुक्ति का जो प्रयास शुरू किया था वह बहुत हद तक सफल रहा। प्रांतीय सरकार का रूख भी रैयतो की तरह हो चला था। अतः चम्पारण एग्रेरियन कमीटि की अनुशंसाओं का जमीन पर क्रियान्वयन आसानी से होने की संभावना थी। अब गाँधी का ध्यान चम्पारण में शिक्षा का प्रकार एवं गाँव की स्वच्छता को बढ़ावा देने पर केन्द्रित हो रहा था। साथ ही साथ स्त्रियों में सफाई एवं शिक्षा की भावना विकसित करना उनका उद्देश्य बन गया था।